प्रेषक

मिशन निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
उ0प्र0 लखनऊ।

सेवा में

मुख्य चिकित्साधिकारी
जनपद– वाराणसी

पत्रांकः एस0पी0एम0यू0/कम्यू0 प्रो0/एम एण्ड ई भ्रमण/2018–19/105/2059 दिनांक 04.06.2019

विषयः राज्य स्तरीय दल द्वारा माह माह 2019 में किये गये पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के संबंध मे।

महोदय,

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 कार्यालय के पत्र सं0 एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0एण्डई0/2018–19/04/10262 दिनांक 31.12.2018 एवं एस0पी0एम0यू0/ एन0एच0एम0/एम0एण्डई0/2018–19/18/1290–4 दिनांक 27.03.2019 का सन्दर्भ ग्रहण करना चाहें। जिसके द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में राज्य स्तरीय टीम के द्वारा दिनांक 21.05.2019 से 23.05.2019 को जनपद जनपद वाराणसी के चिकित्सकीय इकाईयों का स्थलीय पर्यवेक्षण किया गया। जनपद के स्थलीय पर्यवेक्षण के आधार पर भ्रमण आख्या पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु आपको प्रेषित की जा रही है।

उक्त के क्रम में आपसे अपेक्षा है कि संबंधित बिन्दुओं पर कार्यवाही करते हुये अनुपालन आख्या एक सप्ताह के अन्दर एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया,

(थमीम अंसारिया ए.)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांकः एस0पी0एम0यू0/कम्यू0 प्रो0/एम एण्ड ई भ्रमण/2018–19/105/ तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित –

1. अपर मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 लखनऊ।
2. जिलाधिकारी, जनपद वाराणसी।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वाराणसी मण्डल, वाराणसी।
4. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक, अनुभागाध्यक्ष एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0 उ0प्र0।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, वाराणसी मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जनपद वाराणसी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डा0 राजेश झा)
महाप्रबन्धक, कम्युनिटी प्रोसेस

Scanned by CamScanner

जनपद–वाराणसी की भ्रमण आख्या

भ्रमण कर्ता अधिकारी का नाम	1.श्रीमती सरिता गुप्ता, आशा प्रोग्राम मैनेजर, कम्यू0प्रो0 एस0पी0एम0यू0 लखनऊ। 2. श्रीमती अर्चना शुक्ला,प्रोग्राम असिस्टेण्ट, कम्यू0प्रो0 एस0पी0एम0यू0 लखनऊ।
भ्रमण का स्थान	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ागाँव, जनपद–वाराणसी।
भ्रमण की तिथि	21/05/2019
भ्रमण का उदेश्य	सर्पोटिव सुपरविजन विजिट।

दिनांक 21/05/2019 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ागाँव, जनपद–वाराणसी में राज्य स्तरीय टीम द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया । भ्रमण के दौरान निम्न तथ्य प्रकाश में आये।

बेस्ट प्रैक्टिस– आशाओं को क्लस्टर बैठक के दौरान माहवार ड्यूलिस्ट रखने हेतु दीवार पर टांगे जाने वाली कपड़े की 12 पॉकेट्स की वॉल हैंगिंग उपलब्ध करायी जा रही थी। जिसका निर्माण जनपद स्तर पर कराया गया था।

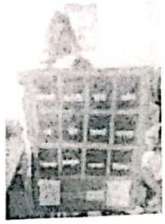

क0 स0	अवलोकन बिन्दु	सुधार बिन्दु	उत्तरदायित्व एवं सुधार बिन्दु
102 एम्बुलेंस सेवा			
1	प्रा0स्वा0 केन्द्र पर एम्बुलेंस सेवा का प्रयोग किया जा रहा है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पाया गया कि 2 आशाओं (श्रीमती रेखा एवं श्रीमती संगीता) द्वारा 8 गर्भवती महिलाओं की ए0एन0सी0 कराये जाने हेतु एम्बुलेंस से प्रा0स्वा0के0 तक लाया गया था।	एम्बुलेंस में एक साथ 10–12 लोगो का बैठना मानकानुसार नही है। इन्फेक्शन प्रीवेन्शन के दृष्टिगत ऐसा न किये जाने के निर्देश दिये।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
2	ए0एन0सी0 के उपरान्त गर्भवती महिलाओं को घर तक छोडा जा रहा था।		
3	एम्बुलेंस के आने व जाने का अभिलेखीकरण निर्धारित प्रारूप पर किया जा रहा था।		
आशा क्लस्टर मीटिंग			
1	प्रा0 स्वा0 केन्द्र में आशा क्लस्टर मीटिंग चल रही थी जिसमें भ्रमणकर्ताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।		
2	क्लस्टर मीटिंग में 2 आशा संगिनी के क्षेत्र बचौरा एवं दुर्जनपुर की आशाओं की बैठक हो रही थी। इस बैठक में 65 आशाओं द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा था। पिछली बैठक में छूटी हुई आशाओं को भी इस बैठक में सम्मिलित किया गया था।		

Scanned by CamScanner

3	बैठक में आशाओं के भुगतान की स्थिति के सम्बन्ध में पूछा गया जिसके क्रम में आशाओं द्वारा अवगत कराया गया कि भुगतान पारदर्शी व समय हो रहा है।		
4	कई आशाओं द्वारा वर्ष 2018–19 में यूनिफार्म न खरीदे जाने की सूचना दी। जिसके क्रम में उन्हें शीघ्र ही यूनिफार्म खरीद कर वाउचर जमा करने हेतु कहा गया।	बैम को उक्त मद में धनराशि रक्षित करने हेतु निर्देशित किया गया ।	बी0सी0पी0एम0
5	बैठक पूर्व निर्धारित एजेण्डे के अनुसार आयोजित की जा रही थी।		
6	बैठक के दौरान आशाओं की मांग के अनुसार बी0सी0पी0एम0 द्वारा आशाओं की ड्रग किट रिफिलिंग की जा रही थी।		
7	बैठक में आशाओं से शिकायत निवारण समिति के सम्बन्ध में पूछा गया जिसके क्रम में आशाओं द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हें इस समिति की जानकारी है तथा उनकी शिकायतों का निस्तारण ब्लॉक स्तर पर हो जाता है।		
8	क्लस्टर बैठक की कार्यवृत्त/अभिलेखीकरण नियमित रूप से किया जा रहा था।		
9	आशाओं से समुदाय स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न बैठकों के सम्बन्ध में पूछा गया लेकिन उन्हें बैठकों के उद्देश्य आदि के सम्बन्ध सही में जानकारी नहीं थी। जिसके क्रम में आशाओं को ए0ए0ए0, वी0एच0एस0एन0सी0 आदि बैठकों के उद्देश्य, एजेण्डा, एवं भूमिका आदि के सम्बन्ध में क्षमतावर्द्धन किया गया।	बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक क्लस्टर बैठक में आशाओं का क्षमतावर्द्धन किया जाय।	बी0सी0पी0एम0
10	आशाओं को क्लस्टर बैठक के दौरान माहवार ड्यूलिस्ट रखने हेतु दीवार पर टांगे जाने वाली कपड़े की 12 पॉकेट्स की वाल हैंगिंग उपलब्ध करायी जा रही थी। जिसका निर्माण जनपद स्तर पर कराया गया था।		
आशा मॉड्यूल 6–7 चतुर्थ चरण का प्रशिक्षण			
1	आशा मॉड्यूल 6–7 चतुर्थ चरण के प्रशिक्षण का अन्तिम बैच आयोजित किया गया था। बैच में कुल 17 आशाओं द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा था।		
2	चार प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा था।		
3	प्रशिक्षण का प्री–टेस्ट किया गया था।		
4	प्रशिक्षण से सम्बन्धित एजेण्डा, मॉड्यूल व अन्य सामग्री जैसे–पेन, नोट पैड आदि उपलब्ध थे।		
5	आशाओं के भोजन–पानी आदि की व्यवस्था की गयी थी।		
6	यह आवासीय प्रशिक्षण था किन्तु आशाओं द्वारा आवासीय प्रशिक्षण नहीं लिया जा रहा था।	बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि आवासीय प्रशिक्षण कराया जाय।	
बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट			

Scanned by CamScanner

1	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु सिलिकॉन एजेन्सी से नियमित रूप से गाड़ी वेस्ट कलेक्शन के लिए आती है।		
2	सम्बन्धित रिकार्ड का अभिलेखीकरण भलीभंति किया जा रहा था।		
3	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु परिसर में एक पृथक से कक्ष की व्यवस्था की गयी है।		
रोगी कल्याण समिति			
1	रोगी कल्याण समिति की बैठकों के सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 आर0के0 सिंह महोदय से जानकारी चाही गयी जिसके क्रम में उनके द्वारा अवगत कराया गया कि अप्रैल 2019 में रोगी कल्याण समिति की 1 बैठक हुई थी एवं आर0के0एस0 रजिस्टर उनके निवास पर है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय से रोगी कल्याण समिति की बैठक नियमित रूप से किये जाने एवं रजिस्टर कार्यालय में रखे जाने हेतु कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
ए0एन0सी0			
1	ए0एन0सी0 रजिस्टर में एच0आर0पी0 केस को अलग से चिन्हित कर उनकी लाइन लिस्टिंग की जा रही है।		
2	एच0आर0पी0 केसो को प्रत्येक माह की 9 तारीख को बुलाकर उनका फॉले–अप किया जा रहा था।		
हर्बल गार्डन			
1.	हर्बल गार्डन भली भाँति व्यवस्थित किया गया था।		
लेबर रूम			
1	पिछले 2 माह से चिकित्सालय के प्रसव कक्ष का निर्माण कार्य चलने के कारण प्रसव कक्ष को ओ0टी0 में चलाया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि 2–3 दिन में प्रसव कक्ष को नये भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाएगा	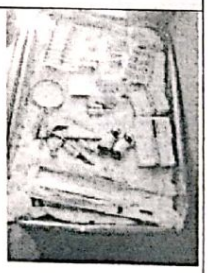
2	माह अप्रैल 2019 में कुल 105 प्रसव हुए थे।		
3	प्रसव कक्ष से सम्बन्धित सभी अभिलेखों का अवलोकन किया गया जिसमें सभी अभिलेख पूर्ण पाए गये।		
4	प्रसव पंजिका में एम0सी0टी0एस0 नम्बर अंकित नहीं किये जा रहे थे।	एम0सी0टी0एस0 नम्बर अंकित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	

Scanned by CamScanner

5	प्रसव कक्ष के समस्त उपकरण क्रियाशील अवस्था में थे, 7 ट्रे व्यवस्थित थी एवं कलर कोडेड बिन पाए गये।		
जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम			
1	जननी सुरक्षा योजना की लाभार्थी से चिकित्सालय पर दिये जाने वाले भोजन आदि के सम्बन्ध में पूछा ग या जिस पर लाभार्थी द्वारा बताया गया कि सुबह नाश्ता व भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।		
कोल्ड चेन			
1	ए0एन0एम0 द्वारा कोल्ड चेन का संचालन किया जा रहा था। तापमान चार्ट नियमित रूप से भरा जा रहा था।		
2	वैक्सीन वितरण आदि से सम्बन्धित सभी अभिलेख पूर्ण थे।		
3	विटामिन–ए की आपूर्ति नहीं हो रही है।		
बी0पी0एम0यू0			
1	101 ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के खाते के सापेक्ष 97 खाते खोले जा चुके हैं एवं अन्टाईड फण्ड ट्रान्सफर किया जा चुका है।	शेष खाते खोले जोन हेतु बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया।	
2	अप्रैल माह 19 में आशा औसत भुगतान रू0 3941 था।		
3	बी0सी0पी0एम0 द्वारा समय से आशाओं का भुगतान किया जा रहा है।		
4	आशाओं द्वारा जमा किये जाने वाले वाउचर पर धनराशि का योग नहीं किया गया था। साथ ही वाउचर पर किसी भी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं थे।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया व इसे वित्तीय अनियमितता बताते हुए सुधार किये जाने हेतु कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0
5	आशा द्वारा जननी सुरक्षा योजना के भुगतान हेतु वाउचर नहीं भरा जा रहा था। जिस पर बी0सी0पी0एम0 द्वारा बताया गया कि प्रसव रजिस्टर से आशा का भुगतान किया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया व इसे वित्तीय अनियमितता बताते हुए सुधार किये जाने हेतु कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0

Scanned by CamScanner

दिनांक 22.05.2019 को ब्लॉक चोलापुर की भ्रमण आख्या

भ्रमण का स्थान	चोलापुर आर0बी0एस0के0, वी0एच0एन0डी0, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जगदीश पुर उपकेन्द्र जनपद–वाराणसी।
भ्रमण की तिथि	22/05/2019

आर0बी0एस0के0

1. आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुसार भ्रमण नही किया जा रहा था। माइक्रोप्लान के अनुसार टीम को आ0 बा0 केन्द्र0 चोलापुर का भ्रमण किया जाना था लेकिन टीम द्वारा धौरहरा मिनी आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों की स्क्रीनिंग की जा रही थी।
2. आर0बी0एस0के0 टीम के सभी सदस्य सत्र पर उपस्थित थे। टीम के पास सामान्य बीमारियों में दी जाने वाली दवाइंया उपलब्ध नहीं थी।

3. टीम से इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर टीम ने अवगत कराया गया कि चोलापुर आंगनबाड़ी केन्द्र उनके द्वारा पूर्व के दिनों में भ्रमण किया जा चुका है अतः पुनः नहीं किया गया । जिस पर आपत्ति करते हुए निर्धारित प्लान के अनुसार कार्य किये जाने के निर्देश दिये गये।
4. टीम ने अवगत कराया गया कि अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्र बन्द रहते हैं जिससे भ्रमण करने में असुविधा होती है। टीम को निर्देशित किया गया कि आंगनबाड़ी के साथ समन्वय करते हुए माइक्रोप्लान शेयर करें जिससे उनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

5. सपोर्टिव सुपरविज़न टीम द्वारा आर0बी0एस0के0 टीम के साथ श्रीमती चन्दा शर्मा पत्नी श्री सनी की 5 माह एक कुपोषित बच्ची जिसका वजन 3.48 कि0ग्रा0 था के परिवार का गृह भ्रमण किया गया। परिवार द्वारा कुपोषित बच्ची के उपचार का विरोध किया जा रहा था। गृह भ्रमण के दौरान परिवार को समझाया बुझाया गया जिससे परिवार उपचार लेने हेतु तैयार हो गया।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस

- वी0एच0एन0डी0 सत्र गांव के भीतर श्री राजनाथ यादव के घर पर आयोजित किया जा रहा था।
- ए0एन0एम0 श्रीमती सरोज देवी द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का संचालन माइक्रोप्लान के अनुसार किया जा रहा था।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र के दौरान आशा–सीमा देवी व आंगनबाड़ी माधुरी देवी दोनों उपस्थित थे।

- वजन मशीन, बी0पी0 मशीन, एच0बी0 किट, यूरीन किट, वैक्सीन, आयरन की गोलियां, विटामिन–ए, परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री, एम0सी0पी0 कार्ड आदि मौजूदं था।

Scanned by CamScanner

- पेट की जांच के लिये अलग से एक कमरा था।
- Rotavirus एवं IPV injection नही उपलब्ध था।
- इन्जेक्शन व अन्य सामान के निस्तारण हेतु कोइ कैरी बैग नही था।
- उच्च जोखिम गर्भावस्था के पहचान बिन्दु पूछे जाने पर ए0एन0एम0 द्वारा सही उत्तर दिये गये, ए0एन0एम0 द्वारा एच0आर0पी0 महिलाओं को चिन्हित कर उनका फॉलोअप किया जा रहा है। एच0आर0पी0 रजिस्टर में अभिलेखित भी किया जा रहा है।

- भ्रमण के दौरान (12:00 PM), duelist के अनुसार 9 मे से केवल 4 गर्भवती महिलाओं को ही सेवा दी गयी थी। साथ ही 8 बच्चो के सापेक्ष किसी को भी सेवा नही दी गयी थी। ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि बच्चे भट्ठे पर चले जाते है जिस वजह से टीकाकरण नहीं हो पा रहा है।
- ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि गाँव के समीप ही बनवासी बस्ती है जो भट्ठों पर काम करती है उन परिवार की महिलाओं के द्वारा ए0एन0सी0 सेवाएं व टीकाकरण सेवाएं नहीं ली जा रही थी। जिसमें सपोर्टिव सुपरविज़न करते हुए वनवासी–बस्ती के लोगों का मोबिलाइजेशन किया गया। जिसके फलस्वरूप श्रीमती मोलना पत्नी श्री प्रमोद द्वारा तत्काल आकर (जिसका कि 5वें माह का गर्भ था) ए0एन0सी0 चेकअप कराया गया।
- सपोर्टिव सुपरविज़न करते हुए वी0एच0एन0डी0 के दौरान वनवासी बस्ती का भ्रमण किया गया जिसमें कई बच्चों को कुपोषित देखा गया। चिकित्सा अधीक्षक से बस्ती में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु आर0बी0एस0के0 टीम अलग से भेजे जाने का अनुरोध किया गया।
- आशा द्वारा लाभार्थियों का नियमित रूप से फॉलो–अप किया जा रहा था।
- ए0एन0एम0 द्वारा परिवार नियोजन हेतु महिलाओं की काउन्सलिंग की जा रही थी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–चोलापुर

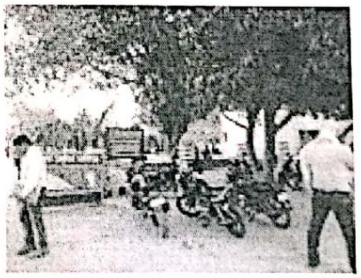

क0 स0	अवलोकन बिन्दु	सुधार बिन्दु	उत्तरदायित्व एवं सुधार बिन्दु
बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट			
1	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु सिलिकॉन एजेन्सी से नियमित रूप से गाड़ी वेस्ट कलेक्शन के लिए आती है।		
2	सम्बन्धित रिकार्ड का अभिलेखीकरण भलीभांति किया जा रहा था।		
3	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु परिसर में पृथक से एक कक्ष की व्यवस्था की गयी है।		
रोगी कल्याण समिति			

Scanned by CamScanner

1	रोगी कल्याण समिति की बैठकों के सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 आर0बी0 यादव महोदय से जानकारी चाही गयी जिसके क्रम में उनके द्वारा अवगत कराया गया कि अप्रैल 2019 में रोगी कल्याण समिति की 1 बैठक हुई थी एवं आर0के0एस0 रजिस्टर उनके फार्मासिस्ट के पास है और वो छुटटी पर है। उनके द्वारा वित्तीय वर्ष 17–18 के रिकार्डों का अवलोकन करवाया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय से रोगी कल्याण समिति की बैठक नियमित रूप से किये जाने एवं कार्यालय में रजिस्टर रखे जाने हेतु कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
ए0एन0सी0			
1	ए0एन0सी0 रजिस्टर में एच0आर0पी0 केस को अलग से चिन्हित कर उनकी लाइन लिस्टिंग की जा रही है।		
2	एच0आर0पी0 केसो को प्रत्येक माह की 9 तारीख को बुलाकर उनका फॉलो–अप किया जा रहा था।		
लेबर रूम			
1	माह अप्रैल 2019 में कुल 127 प्रसव हुए थे।		
2	प्रसव कक्ष से सम्बन्धित सभी अभिलेखों का अवलोकन किया गया जिसमें सभी अभिलेख पूर्ण व अद्यतन पाए गये।		
3	स्टॉफ नर्स सुनीता (स्थायी कर्मी) द्वारा पार्टोग्राफ नहीं भरा जा रहा था एवं संविदा स्टाफ नर्सों द्वारा पार्टोग्राफ भरा जा रहा था।		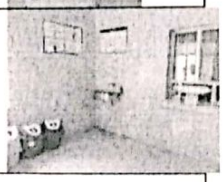
4	प्रसव पंजिका में एम0सी0टी0एस0 नम्बर अंकित नहीं किये जा रहे थे।	एम0सी0टी0एस0 नम्बर अंकित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
5	प्रसव कक्ष के समस्त उपकरण क्रियाशील अवस्था में थे, 7 ट्रे व्यवस्थित थी एवं कलर कोडेड बिन पाए गये।		
6	सक्शन मशीन खराब अवस्था में पायी गयी।	सक्शन मशीन सही कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम			
1	जननी सुरक्षा योजना की लाभार्थी से चिकित्सालय पर दिये जाने वाले भोजन आदि के सम्बन्ध में पूछा गया जिस पर लाभार्थी द्वारा बताया गया कि नाश्ता व भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय से पूछने पर ज्ञात हुआ कि वेन्डर का भुगतान न होने के कारण 19 अप्रैल 2019 से भ्रमण तिथित तक भोजन नहीं दिया जा रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय को निर्देशित किया गया कि वेन्डर का ससमय भुगतान कर लाभार्थीयों को भोजन उपलब्ध करवाना सुनिश्चित	प्रभारी चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

- पेट की जांच के लिये अलग से एक कमरा था।
- Rotavirus एवं IPV injection नही उपलब्ध था।
- इन्जेक्शन व अन्य सामान के निस्तारण हेतु कोइ कैरी बैग नही था।
- उच्च जोखिम गर्भावस्था के पहचान बिन्दु पूछे जाने पर ए0एन0एम0 द्वारा सही उत्तर दिये गये, ए0एन0एम0 द्वारा एच0आर0पी0 महिलाओं को चिन्हित कर उनका फॉलोअप किया जा रहा है। एच0आर0पी0 रजिस्टर में अभिलेखित भी किया जा रहा है।

- भ्रमण के दौरान (12:00 PM), duelist के अनुसार 9 मे से केवल 4 गर्भवती महिलाओं को ही सेवा दी गयी थी। साथ ही 8 बच्चो के सापेक्ष किसी को भी सेवा नही दी गयी थी। ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि बच्चे भट्ठे पर चले जाते है जिस वजह से टीकाकरण नहीं हो पा रहा है।
- ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि गाँव के समीप ही बनवासी बस्ती है जो भट्ठों पर काम करती है उन परिवार की महिलाओं के द्वारा ए0एन0सी0 सेवाएं व टीकाकरण सेवाएं नहीं ली जा रही थी। जिसमें सपोर्टिव सुपरविज़न करते हुए वनवासी–बस्ती के लोगों का मोबिलाइजेशन किया गया। जिसके फलस्वरूप श्रीमती मोलना पत्नी श्री प्रमोद द्वारा तत्काल आकर (जिसका कि 5वें माह का गर्भ था) ए0एन0सी0 चेकअप कराया गया।
- सपोर्टिव सुपरविज़न करते हुए वी0एच0एन0डी0 के दौरान वनवासी बस्ती का भ्रमण किया गया जिसमें कई बच्चों को कुपोषित देखा गया। चिकित्सा अधीक्षक से बस्ती में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु आर0बी0एस0के0 टीम अलग से भेजे जाने का अनुरोध किया गया।
- आशा द्वारा लाभार्थियों का नियमित रूप से फॉलो–अप किया जा रहा था।
- ए0एन0एम0 द्वारा परिवार नियोजन हेतु महिलाओं की काउन्सलिंग की जा रही थी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–चोलापुर

क0 स0	अवलोकन बिन्दु	सुधार बिन्दु	उत्तरदायित्व एवं सुधार बिन्दु
बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट			
1	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु सिलिकॉन एजेन्सी से नियमित रूप से गाड़ी वेस्ट कलेक्शन के लिए आती है।		
2	सम्बन्धित रिकार्ड का अभिलेखीकरण भलीभांति किया जा रहा था।		
3	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु परिसर में पृथक से एक कक्ष की व्यवस्था की गयी है।		
रोगी कल्याण समिति			

Scanned by CamScanner

1	रोगी कल्याण समिति की बैठकों के सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 आर0बी0 यादव महोदय से जानकारी चाही गयी जिसके क्रम में उनके द्वारा अवगत कराया गया कि अप्रैल 2019 में रोगी कल्याण समिति की 1 बैठक हुई थी एवं आर0के0एस0 रजिस्टर उनके फार्मासिस्ट के पास है और वो छुटटी पर है। उनके द्वारा वित्तीय वर्ष 17–18 के रिकार्डों का अवलोकन करवाया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय से रोगी कल्याण समिति की बैठक नियमित रूप से किये जाने एवं कार्यालय में रजिस्टर रखे जाने हेतु कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
ए0एन0सी0			
1	ए0एन0सी0 रजिस्टर में एच0आर0पी0 केस को अलग से चिन्हित कर उनकी लाइन लिस्टिंग की जा रही है।		
2	एच0आर0पी0 केसो को प्रत्येक माह की 9 तारीख को बुलाकर उनका फॉलो–अप किया जा रहा था।		
लेबर रूम			
1	माह अप्रैल 2019 में कुल 127 प्रसव हुए थे।		
2	प्रसव कक्ष से सम्बन्धित सभी अभिलेखों का अवलोकन किया गया जिसमें सभी अभिलेख पूर्ण व अद्यतन पाए गये।		
3	स्टॉफ नर्स सुनीता (स्थायी कर्मी) द्वारा पार्टोग्राफ नहीं भरा जा रहा था एवं संविदा स्टाफ नर्सों द्वारा पार्टोग्राफ भरा जा रहा था।		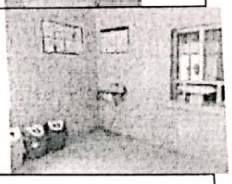
4	प्रसव पंजिका में एम0सी0टी0एस0 नम्बर अंकित नहीं किये जा रहे थे।	एम0सी0टी0एस0 नम्बर अंकित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
5	प्रसव कक्ष के समस्त उपकरण क्रियाशील अवस्था में थे, 7 ट्रे व्यवस्थित थी एवं कलर कोडेड बिन पाए गये।		
6	सक्शन मशीन खराब अवस्था में पायी गयी।	सक्शन मशीन सही कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम			
1	जननी सुरक्षा योजना की लाभार्थी से चिकित्सालय पर दिये जाने वाले भोजन आदि के सम्बन्ध में पूछा गया जिस पर लाभार्थी द्वारा बताया गया कि नाश्ता व भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय से पूछने पर ज्ञात हुआ कि वेन्डर का भुगतान न होने के कारण 19 अप्रैल 2019 से भ्रमण तिथित तक भोजन नहीं दिया जा रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय को निर्देशित किया गया कि वेन्डर का ससमय भुगतान कर लाभार्थीयों को भोजन उपलब्ध करवाना सुनिश्चित	प्रभारी चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

		करवायें।	
पी0एन0सी0 वार्ड			
1	वार्ड मे 8 बैड के सापेक्ष 6 प्रसूता भर्ती थी।		
2	वार्ड मे सफाई का अभाव था।	स्टॉफ नर्स को वार्ड में साफ–सफाई हेतु निर्देशित किया गया।	
3	ऑपरेशन वाली एक प्रसूता अपने बच्चे को ऊपर का दूध पिला रही थी। 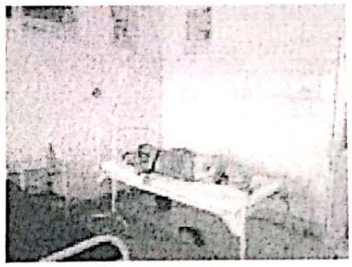	स्टॉफ नर्स को के0एम0सी0 लाउन्ज में स्तनपान कराए जाने हेतु निर्देशित करते हुए के0एम0सी0 के लाभ व स्तनपान कराए जाने के तरीके के विषय में जानकारी दी गयी।	स्टॉफ नर्स
4	वार्ड मे बहुत से पुरुष भी थे।	स्टॉफ नर्स को पुरुषो का वार्ड मे आना–जाना वर्जित करवाने को कहा गया।	स्टॉफ नर्स
एन0बी0एस0यू0 वार्ड			
1	वार्ड मे 3 स्टाफॅ नर्सो की राउण्ड द क्लॉक ड्यूटी लगी हुयी थी।		
2	वार्ड का संचालन अच्छे से किया जा रहा था।		
के0एम0सी0 लाउन्ज			
1	के0एम0सी0 लाउन्ज सभी सुविधाओं से युक्त था।		
2	पर्याप्त आई0ई0सी0 डिस्प्ले की गयी थी।		
3	कक्ष में ए0सी0 लगा हुआ था।		
4	भ्रमण के दौरान के0एम0सी0 रूम में कोई माता नहीं थी।		
ओ0टी0			
1	ओ0टी0 कियाशील अवस्था में पायी गयी।		
2	दिनॉक 21–05–19 को नसबन्दी कैम्प का आयोजन किया गया व 10 केस हुए।		
ब्लड स्टोरेज यूनिट			

Scanned by CamScanner

1	19 फरवरी 2019 को ब्लड स्टोरेज यूनिट प्रारम्भ की गयी थी। पिछले 20 दिनो से मशीन खराब है। जिससे यूनिट अक्रियाशील पायी गयी।	ब्लड स्टोरेज यूनिट क्रियाशील किये जाने वा खराब पड़े हुए उपकरणों को सही किये जाने के निर्देश दिये गयें	
2	माह फरवरी से अप्रैल के मध्य तक 11 जे0एस0वाई0 लाभार्थीयों को ब्लड चढ़ाया जा चुका है।		
3	राममिलन व अंकित राय द्वारा यूनिट का संचालन किया जा रहा है। जिनका 2 वर्ष पूर्व प्रशिक्षण हुआ था। स्टॉफ को पुनः प्रशिक्षण की आवश्यकता है।		
4	कमरे में ए0सी0 नही लगा हुवा है।	ए0सी0 लगवाए जाने के निर्देश दिये गये।	
5	एक फ्रिज है जो कि खराब अवस्था में है।		
बी0पी0एम0यू0			
1	बी0सी0पी0एम0 द्वारा समय से आशाओं का भुगतान किया जा रहा है।		
2	आशाओं द्वारा जमा किये जाने वाले वाउचर पर किसी भी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं थे।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया व इसे वित्तीय अनियमितता बताते हुए सुधार किये जाने हेतु कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
3	आशा संगिनी द्वारा आशा परफॉरमेंस मॉनीटरिगं का प्रपत्र 3 भरा जा रहा है जबकि प्रपत्र 1 व 2 उनके द्वारा भरा जा रहा है। बी0सी0पी0एम0 मे जानकारी का अभाव पाया गया। बी0पी0एम0 प्रेरणा श्रीवास्तव द्वारा ही समस्त कार्यो का सम्पादन किया जा रहा था।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया व इसे वित्तीय अनियमितता बताते हुए सुधार किये जाने हेतु कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
4	आशा शिकायत निवारण समिति के रिकार्ड का अवलोकन किया गया जाकि पूर्णतः खाली था।	आशा शिकायत निवारण समिति को शसक्त बनाने हेतु बी0सी0पी0एम0 को निर्देश दिये गये।	

Scanned by CamScanner

जगदीश पुर उपकेन्द्र, ब्लॉक चोलापुर

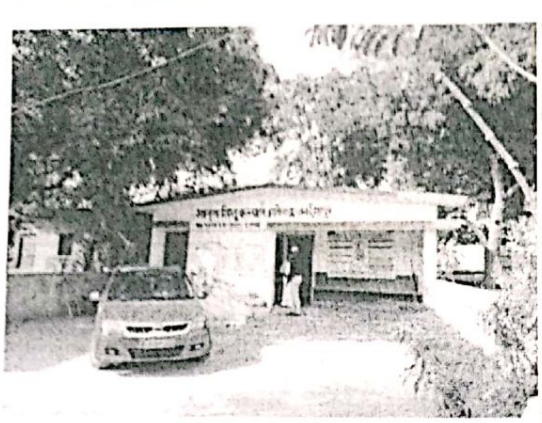

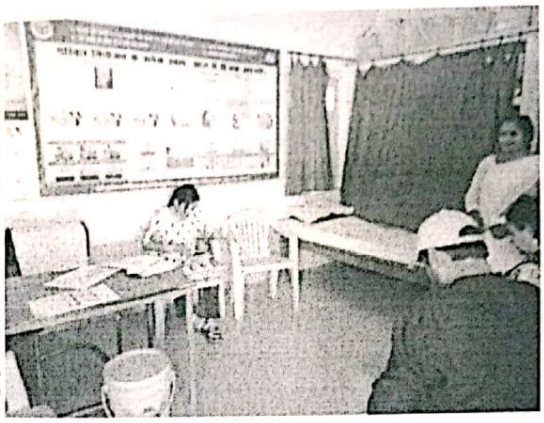

1. ए0एन0एम0 का निवास उपकेन्द्र पर ही है। उनके द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य सेवायें प्रदत्त की जा रही है।
2. उपकेन्द्र के समस्त रिकार्डो का अवलोकन किया गया व पूर्ण पाया गया।
3. आर0सी0एच0 रजिस्टर पर एम0सी0टी0एस0 न0 अंकित नही किया गया था।
4. लेबर रुम में प्रोटोकॉल पोस्टर नही लगे थे।
5. ऑटोक्लेव उपलब्ध नही था।
6. कैलिसपैड में हवा नही थी।
7. कलर कोडेड बिन उपलब्ध नहीं था।
8. ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि आपातकालीन स्थिति में नजदीक के ही प्राइवेट चिकित्सक से सहायता प्राप्त कर ली जाती है।

भ्रमण का स्थान	**शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर–मडुवाडीह** **जिला महिला चिकित्सालय–कबीर चौरा, जनपद वाराणसी**
भ्रमण की तिथि	23/05/2019

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर–मडुवाडीह

1. फैसिलिटी की इन्टरनल एवं एक्सटर्नल ब्राण्डिंग भली प्रकार से की गयी थी।

2. हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर के अन्तर्गत दी जाने वाली सेवाओं एवं जांचों की सूची एम0ओ0आई0सी0 के कक्ष में लगे थे जिसको स्वास्थ्य इकाई के बाहर दीवार पर चस्पा कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये।

Scanned by CamScanner

3. योग–कक्ष में ताला बन्द था जिसकी चाबी उपलब्ध नहीं थी। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि योग प्रशिक्षक न होने से योग सत्र प्रारम्भ नहीं किया गया है।
4. हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर पर एन0सी0डी0 क्लीनिक संचालित थी व नियमित रूप से जाँच व फॉलो–अप किया जा रहा था।

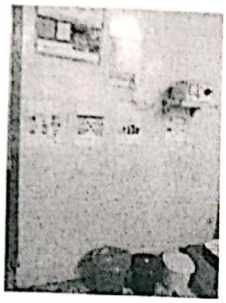

5. हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर में दिये गये आई0टी0 एवं इन्टरनेट सिस्टम स्थापित नहीं किये गये थे। जिसे शीघ्र ही स्थापित कराये जाने के निर्देश दिये गये।
6. भ्रमण के समय स्वास्थ्य इकाई से 4 स्टाफ अवकाश पर थे (1 फार्मासिस्ट, 2 ए0एन0एम0 01 सपोर्ट स्टाफ)। जिसमें से 2 कर्मचारियों का आवेदन पत्र उपलब्ध मिला। डा0 ममता पाण्डेय द्वारा अवगत कराया गया कि शेष 2 लोगों न फोन पर अवकाश के सम्बन्ध में सूचित किया है।

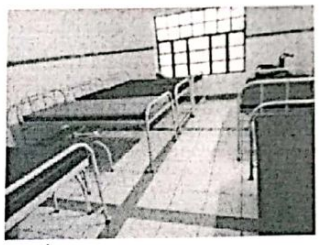

7. स्वास्थ्य इकाई पर प्रतिदिन लगभग 150–160 ओ0पी0डी0 होती थी।
8. स्टाफ नर्स एवं ए0एन0एम0 का अभी तक स्किल ए वं कार्यक्रम (एस0बी0ए0, बी–मॉक, एन0एस0एस0के0, आई0यू0डी0, कोल्ड चेन आदि) के सम्बन्ध में प्रशिक्षण नहीं हुआ है।

9. लैब सम्बन्धी उपकरण एवं सामान्य उपकरण इकाई पर उपलब्ध पाए गये।
10. ड्रग्स, कन्ज़्यूमेबिल्स आदि उपलब्ध थे। ओ0आर0एस0 एवं जिंक उपलब्धा नहीं था।
11. कलर कोडेड बिन उपलब्ध नहीं था।
12. पार्टोग्राफ नहीं भरा जा रहा था।
13. पी0एन0सी0 वार्ड में खिड़कियो पर पर्देनहीं थे।
14. इकाई के सभी अभिलेखों का अवलोकन किया गया। सभी अभिलेखों का रख–रखाव भली भांति किया जा रहा था।
15. आर0के0एस0 की बैठक माह अप्रैल 2019 में हुई थी जिसके प्रस्ताव व कार्यवृत्त का अवलोकन किया गया।
16. स्वास्थ्य इकाई पर फार्मेसी के अन्दर ई0डी0एल0 लिस्ट लगी थी जिसे बाहर लगाए जाने के निर्देश दिये गये।

जिला महिला चिकित्सालय–कबीर चौरा, जनपद वाराणसी

क0 स0	अवलोकन बिन्दु	सुधार बिन्दु	उत्तरदायित्व एवं सुधार बिन्दु
ए0एन0सी0 वार्ड/ओ0पी0डी0			
1	ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध था।		
2	एम0सी0पी0 कार्ड पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध था।		
3	एच0आर0पी0 की पहचान, लाइन लिस्टिंग एवं फॉलो–अप किया		

Scanned by CamScanner

	जा रहा था।		
4	ए0एन0सी0 रजिस्टर पर एच0आर0पी0 को लाल रंग से इंगित नहीं किया जा रहा था।	एच0आर0पी0 को लाल रंग से इंगित किये जाने के निर्देश दिये गये।	
5	एच0आर0पी0 के रिकार्ड हेतु पृथक से रजिस्टर बनाया गया था।		
6	प्रत्येक माह की 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया जा रहा था। जिसमें एच0आर0पी0 को सेवाएं दी जा रही थी।		
प्रसव कक्ष			
1	पार्टोग्राफ भरा जा रहा था।	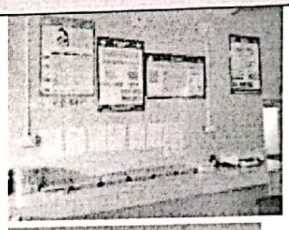	
2	प्रोटोकॉल पोस्टर डिसप्ले किये गये थे।		
3	प्रसव कक्ष के समस्त उपकरण क्रियाशील अवस्था में थे, 7 ट्रे व्यवस्थित थी।		
4	कलर कोडेड बिन पाए गये।		
5	रेडियन्ट वार्मर कियाशील अवस्था में था।		
6	ऑक्सीजन सिलेण्डर भरा था।		
7	लेबर कक्ष के बाहर जे0एस0वाई0 व जे0एस0एस0के0 कार्यक्रम के बारे में सूचना डिसप्ले की गयी थी।		
8	वॉसबेसिन में एलबो टैप लगा था।		
9	लेबर टेबिल के मध्य स्क्रीन पार्टीशन किया गया था।		
10	ऑक्सीटोसिन इन्जेक्शन रेफ्रिजेटर मे रखा गया था।		
11	इमरजेन्सी सभी दवायें उपलब्ध थी।	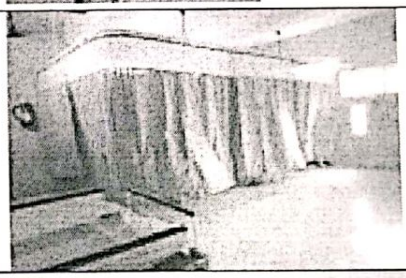	
पी0एन0सी0 वार्ड			
1	स्वास्थ्य इकाई में 18 बेड थे जिसमें 6 बेड पर मरीज थे।		
2	वार्ड में साफ–सफाई की पर्याप्त व्यवस्था थी।		
3	प्रसूता 48 घण्टे स्वास्थ्य इकाई में रूक रही हैं।		
4	जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य व सिजेरियन प्रसूता को डाइट चार्ट के अनुसार भोजन दिया जा रहा था।		
5	पी0एन0सी0वार्ड में खिड़कियों पर पर्दे नहीं लगे थे।	खिड़कियों पर पर्दे लगाए जाने हेतु कहा गया।	
6	पी0एन0सी0वार्ड से लगा हुआ शौचालय साफ था।		

Scanned by CamScanner

के0एम0सी0 लाउन्ज		
1	के0एम0सी0 लाउन्ज सभी सुविधाओं (चेयर आदि) से युक्त था।	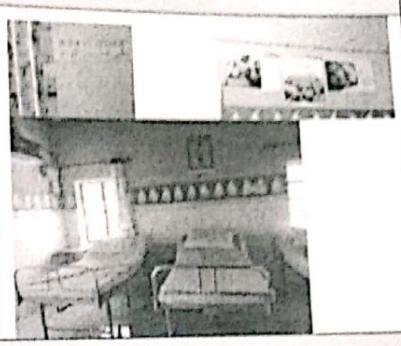
2	पर्याप्त आई0ई0सी0 डिस्प्ले की गयी थी।	
3	कक्ष में ए0सी0 लगा हुआ था।	
4	2 के0एम0सी0 चेयर उपलब्ध थी।	
5	भ्रमण के दौरान के0एम0सी0 रूम में कोई माता नहीं थी।	
6	के0एम0सी0 के संचालन के लिए कोई निश्चित स्टाफ नर्स नहीं थी।	

बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट			
1	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु सिलिकॉन एजेन्सी से नियमित रूप से गाड़ी वेस्ट कलेक्शन के लिए आती है।		
2	सम्बन्धित रिकार्ड का अभिलेखीकरण भलीभांति किया जा रहा था।		
3	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट हेतु परिसर में एक पृथक से कक्ष की व्यवस्था की गयी है।		

आर0के0एस0के0		
1	स्वास्थ्य इकाई पर आर0के0एस0के0 परामर्शदाता सुश्री सारिका चौरसिया उपस्थित थी।	
2	आर0के0एस0के0 परामर्शदाता द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया था।	
3	कक्ष में पर्याप्त आई0ई0सी0 की गयी थी।	
4	आर0के0एस0के0 से सम्बन्धित सभी अभिलेखों का अवलोकन किया गया जिसमें सभी रिकार्ड अद्यतन पाए गये।	
5	काउन्सलर द्वारा शहरी क्षेत्र के महिला विद्यालयों में भ्रमण करके जानकारी दी जा रही थी।	
6	विद्यालय के अतिरिक्त सिलाई–कढ़ाई केन्द्र, महिला कार्यस्थल, ट्यूशन क्लासेस में भी जाकर काउन्सलिंग की जा रही थी।	
7	दवाइयां एवं सेनेटरी नैपकिन आदि बांटी जा रही थी।	

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम			
1	जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत डाइट व अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।		
2	किचन का भ्रमण किया गया व किचन की स्वच्छता व्यवस्था अच्छी थी तथा रसोइयां द्वारा सर ढक कर व हाथ साफ करके भोजन पकाया जाता है।		

परिवार नियोजन		
1	श्रीमती नीतू– फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा समस्त रजिस्टर भरे जा रहे थे तथा अपडेट किये जा रहे थे।	
2	फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा पी0पी0आई0यू0सी0डी0 एवं पी0ए0आईयू0सी0डी0 के लाभार्थियों के भुगतान का फॉलो–अप भी किया जा रहा था।	
3	फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा फैमिली प्लानिंग सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त किया गया है।	

एस0एन0सी0यू0 वार्ड

Scanned by CamScanner

1	एस0एन0सी0यू0 वार्ड में 2 बालरोग–विशेषज्ञ 8 स्टॉफ नर्स, 1 सिस्टर इनचार्ज, 3 स्वीपर, 3 गार्ड व 3 सुरक्षा गार्ड की तैनाती थी।			
2	एस0एन0सी0यू0 वार्ड 6 बैडड ही था जिसे विस्तारित करने की आवश्यकता है।		मुख्य चिकित्सा अधिक्षक को इस सम्बन्ध मे एस0पी0एम0यू0 से पत्र–वार्ता करने को कहा गया।	मुख्य चिकित्सा अधिक्षक
3	स्टॉफ नर्सो की ज्वानिगं 2015 की है और उनको अभी तक एरियर नही मिला है।		इस सम्बन्ध मे मुख्य चिकित्सा अधिक्षक को पूछा गया तो उन्होने बताया कि इस माह की सैलरी के साथ दे दिया जायेगा।	मुख्य चिकित्सा अधिक्षक
4	एस0एन0सी0यू0 वार्ड में एक छोटे से कमरे को के0एम0सी0 लाउन्ज की तरह से उपयोग किया जा रहा था, जोकि मानकानुसार नही था।		मुख्य चिकित्सा अधिक्षक को इस सम्बन्ध मे एस0पी0एम0यू0 से पत्र–वार्ता करने को कहा गया।	मुख्य चिकित्सा अधिक्षक
5	पी0एन0सी0 वार्ड से अटैच के0एम0सी0 लाउन्ज बहुत दूरी पर है जिस कारण उसे एस0एन0सी0यू0 वार्ड के मरीजों के लिये उपयोग नही किया जा पा रहा है।			
6	एस0एन0सी0यू0 वार्ड में के0एम0सी0 हेतु एक डेडिकेटेड स्टॉफ नर्स की आवश्यकता है।			
7	माह अप्रेल 2019 में इन–बॉर्न 46 और आउट–बॉर्न 18 बच्चे थे, जिसमे से आउट–बॉर्न के 5 बच्चे खत्म हो गये थे।			
जरनल वार्ड				
1	वार्ड में साफ–सफाई की व्यवस्था अच्छी थी।			
2	इन्फेक्शन प्रीवेन्शन के लिये कलर–कोडेड बिन की व्यवस्था की गयी थी।			
3	मरीजों को भोजन दिया जा रहा था।			
4	वार्ड में पर्याप्त रोशनी थी।			
5	बैड पर साफ चादरें बिछी थी।			

Archana Shukla

श्रीमती अर्चना शुक्ला

प्रोग्राम असिस्टेण्ट कम्यू0प्रो0
एन0एच0एम0,एस0पी0एम0यू0लखनऊ

सरिता गुप्ता

आशा प्रोग्राम मैनेजर
एन0एच0एम0,एस0पी0एम0यू0लखनऊ

Scanned by CamScanner